मेसोपोटामिया सभ्यता पर संक्षिप्त टिप्पणी (Short Notes on Mesopotamian Civilization)परिचय (Introduction):'मेसोपोटामिया' शब्द यूनानी भाषा का है, जिसका अर्थ है "दो नदियों के बीच की भूमि।" यह क्षेत्र दजला (Tigris) और फरात (Euphrates) नदियों के मध्य स्थित था। इसे विश्व की सबसे प्राचीन और विकसित सभ्यताओं में गिना जाता है। यह सभ्यता मुख्यतः कांस्य युग (Bronze Age) में विकसित हुई थी। वर्तमान में यह क्षेत्र आधुनिक इराक, उत्तर-पूर्वी सीरिया, दक्षिण-पूर्वी तुर्की, और ईरान के कुछ हिस्सों में फैला हुआ था।मुख्य सभ्यताएँ (Main Civilizations):मेसोपोटामिया क्षेत्र में समय-समय पर अनेक महान सभ्यताएँ उभरीं, जिनमें प्रमुख हैं –सुमेरियन सभ्यता (Sumerian Civilization): यह सबसे प्राचीन और संगठित सभ्यता मानी जाती है।अक्कादियन सभ्यता (Akkadian Civilization): सर्गन महान के नेतृत्व में इसने विस्तार किया।बेबीलोन सभ्यता (Babylonian Civilization): हम्मुराबी के शासनकाल में यह अपने चरम पर पहुँची।असीरियन सभ्यता (Assyrian Civilization): अपनी सैन्य शक्ति और प्रशासनिक संगठन के लिए प्रसिद्ध।प्रमुख विशेषताएँ (Main Features):कृषि का विकास: मेसोपोटामिया का समाज कृषि पर आधारित था। नदियों की उर्वर मिट्टी और विकसित सिंचाई प्रणाली के कारण यहाँ कृषि उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता था, जिससे स्थायी बस्तियों और नगरों का निर्माण हुआ।लेखन प्रणाली: विश्व की प्रथम लेखन प्रणाली कीलाक्षर लिपि (Cuneiform Script) का विकास यहीं हुआ। इस लिपि में सरकंडे की नुकीली कलम से मिट्टी की तख्तियों पर लेखन किया जाता था।नगरों का विकास: मेसोपोटामिया को नगरीय सभ्यता का जनक कहा जाता है। उर, उरुक, बाबिल, और निनवे जैसे नगर व्यापार, प्रशासन और संस्कृति के प्रमुख केंद्र थे।विज्ञान और गणित: इस सभ्यता में गणित, खगोल विज्ञान, वास्तुकला, और पंचांग निर्माण का विशेष विकास हुआ, जिसने बाद की सभ्यताओं को गहराई से प्रभावित किया।